Thakur, a well-known leader in the freedom movement, was injured. So I draw your attention so that the Home Ministry will look into this matter.

REFERENCE TO POWER SHORTAGE IN DELHI

श्री कल्प नाथ राय (उत्तर प्रदेश) : मैं सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि Overloading leads to total power breakdown.

यानि बिजली के कारण दिल्ली में दो घण्टे अन्धेरा रहे राजधानी में, यानि बिजली की सप्लाई नागरिकों को या यहां के लोगों को नहीं दी जाती तो इससे ज्यादा शर्म की बात और क्या हो सकती है ।

आप जानते हैं कि पिछले 15 महीनों से जनता सरकार की हुकूमत है । अब इण्डस्ट्री मिनिस्टर श्री जार्ज फर्नेण्डीज ने कहा कि 400 करोड़ का लॉस जो हुआ वह इसलिये कि बिजली की कमी के कारण हम अपनी इण्डस्ट्रीज को बिजली नहीं दे पाये हैं । राजधानी में जो परेशानी बिजली के सम्बन्ध में है, इसमें कहा गया है कि केवल 400 मेगावाट की सुबह नौ बजे से शाम के नो बजे तक बिजली की आवश्यकता दिल्ली में है । यदि पूरी बिजली सप्लाई की जाए तो 600 मेगावाट की आवश्यकता होगी । लेकिन 240 मेगावाट बिजली का उत्पादन होता है । इसका क्या कारण है ? क्या बदरपुर और इन्द्रप्रस्थ के जो थर्मल पावर स्टेशन हैं, उनके लिये कोयला नहीं था या खराब कोयला था या बिजली की ओवर-लोडिंग के कारण ट्रिपिंग हुई । तो इस तरह के राजधानी में हो रहे काम की आपके सामने चर्चा हो रही थी कि बिजली का ब्रेकडाउन हो रहा है, पोल्युटिड वाटर मिल रहा है । तो जो चीज जीवन के लिये आवश्यक हैं, बिजली, पानी शहर के लिये आवश्यक हैं, जनता सरकार के जमाने में ऐसी बातें हो रही हैं । जनता की स्टेटमेंट है कि इन्द्रप्रस्थ और बदरपुर से बिजली की सप्लाई नहीं हो रही है ।

मैं श्री जार्ज फर्नेण्डीज से कहना चाहता हूं कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में जहां का मैं रहने वाला हूं वहां आधी ट्रेन्स कोयले की कमी के कारण बन्द कर दी गई हैं । मैं श्री जार्ज फर्नेण्डीज को एक अच्छा मंत्री मानता हूं और मैं इनके लिये कुछ कड़े शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहता । लेकिन इनको यह ज्ञात होना चाहिये कि पूरे देश के अन्दर कोयले की कमी के कारण कहीं कोयले की सप्लाई नहीं, कहीं बिजली नहीं, कहीं पानी नहीं है। राजधानी में बिजली की सप्लाई का ब्रेकडाउन है । तो इस तरह की चारों तरफ चीजें हैं, जैसे अन्धेर नगरी चौपट राजा, टके सेर भाजी टके सेर खाजा । पूरे देश के अन्दर आज यह स्थिति है ।

श्रम तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम कृपाल सिंह) : राजा कहां रहेंगे, रानी भी चली गई ।

श्री कल्प नाथ राय : आप जैसे लोग भी कुछ दिनों के मेहमान हैं । अभी साल भर नहीं पूरा हो पाया, भ्रष्टाचार के छाये के अन्दर आपकी सरकार की जिन्दगी चल रही है । हिम्मत नहीं पड़ती कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई जांच करवाएँ । परन्तु, पूरा देश साल भर में आपके कार्यों को जान गया है ।

अब मैं मुख्य सवाल पर जाना चाहता हूं कि जो बिजली की कमी राजधानी में है, यह कहा जा रहा है कि 240 मेगावाट बिजली ही दे पा रहे हैं जबकि आवश्यकता 600 मेगावाट की है । मैं सरकार से इस सदन के माध्यम से प्रार्थना करना चाहूंगा कि कम से कम राजधानी के लोगों को बिजली की सप्लाई 24 घंण्टे मिले और आसपास की इण्डस्ट्री को मिले, इसके लिये एक या दो थर्मल पावर स्टेशन

और लगाए जायें ताकि आने वाले जमाने मे यहां इस तरह के संकट का मुकबला न करना पड़े ।

ट्रान्समिशन लास, एक कारण यह भी बतलाया जा रहा रहा है । अभी श्री जार्ज फनन्डीज ने बतलाया कि 400 करोड़ का लास इलक्ट्रिसिटी में हुआ । क्या इतना लास कभी भी हुआ है ?

4 P.M.

यानी, जो अलग-अलग मंत्री हैं जिनको अपने अपने मंत्रालयों में काम करना चाहिए, जो फाइल्स देखनी चाहिए, जो अपना काम करना चाहिए, वह काम कोई नहीं करता । बहुत कम मंत्री हैं जो अपने मंत्रालयों के कामों को संपादित करते हैं। बाकी तो 24 घंटों में 22 घंटे इसी में लगे रहते हैं कि किस को प्रधान मंत्री बनाएंगे—मोरारजी देसाई को हटाएंगे, चरण सिंह को हटाएगे, दण्डवते को हटाएंगे । उपसभापति महोदय, इसी कारण आज यह मूल संकट पैदा हो गया है कि जनता सरकार की सारी नीतियां दुर्घटनाग्रस्त हो रही हैं और उसके कारण देश के अंदर बड़े पैमाने पर अराजकता हो रही है । तो इसका कारण यह भी है कि जो मंत्री हैं वे अपना उत्तर-दायित्व नही समझते । जो ग्रोथ रेट इंडस्ट्रियल की 11 परसेन्ट थी जनता सरकार के हुकूमत में आने के समय यह घट कर 4 परसेन्ट पर चली गई . . .

श्री उपसभापति : अब समाप्त कीजिए ।

श्री कल्प नाथ राय : देखिए, अगर झा साहब बीच में नहीं बोलते तो मैं खुद खत्म कर लेता । उपसभापति महोदय, मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं *(Interruptions)* उत्तर प्रदेश के अदर और झा जी जो बोल रहे है उनके बिहार में भी किसानों को बिजली की सप्लाई नलकूपों को चलाने के लिए इस राज में बिलकुल बंद हो गई है और जो लोग गांवों की बात करते थे कि हम ऐसा करेंगे, आज हालत यह है कि जहां 12 रु० प्रति हार्स पावर बिजली का दाम था उस को बढ़ा कर 15 रु० इस सरकार ने कर दिया, इसके बावजूद भी सप्लाई नहीं हो रही है . *(Time bell rings)* गांवों की तो बात ही छोड़िए, वहां तो संकट के बादल छाये हुए हैं, कोई राज नहीं, कोई शासन नहीं, व्यवस्था नहीं, बिजली की सप्लाई नही । जब राजधानी तक में बिजली की सप्लाई नहीं कर पाते हैं तो हम किस प्रकार जनता सरकार की निंदा करे ? मैं तो राष्ट्रपति जी से मांग करता हूं कि वह तत्काल इस सरकार को बरखास्त करें और मध्यावधि चुनाव कराएं ताकि देश से कुशासन का अंत हो और एक नयी सरकार बने और देश की जनता को बिजली और पानी की सप्लाई दे सके ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now the Finance Minister.

SHRI F. M. KHAN (Karnataka): Sir, before you call upon the Finance Minister, I have got a very important matter to raise here. I tried all means of getting the subject included but in vain. The matter is so serious.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please try again. But at the moment I have no notice before me.

SHRI F. M. KHAN: Sir, the matter is very serious . . .

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please take permission before you speak. Everyone is taking permission.

SHRI F. M. KHAN: I just want to place before you . . .

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I do not know what you are talking about. Please sit down now.